Baba’s Praise

13/02/2015

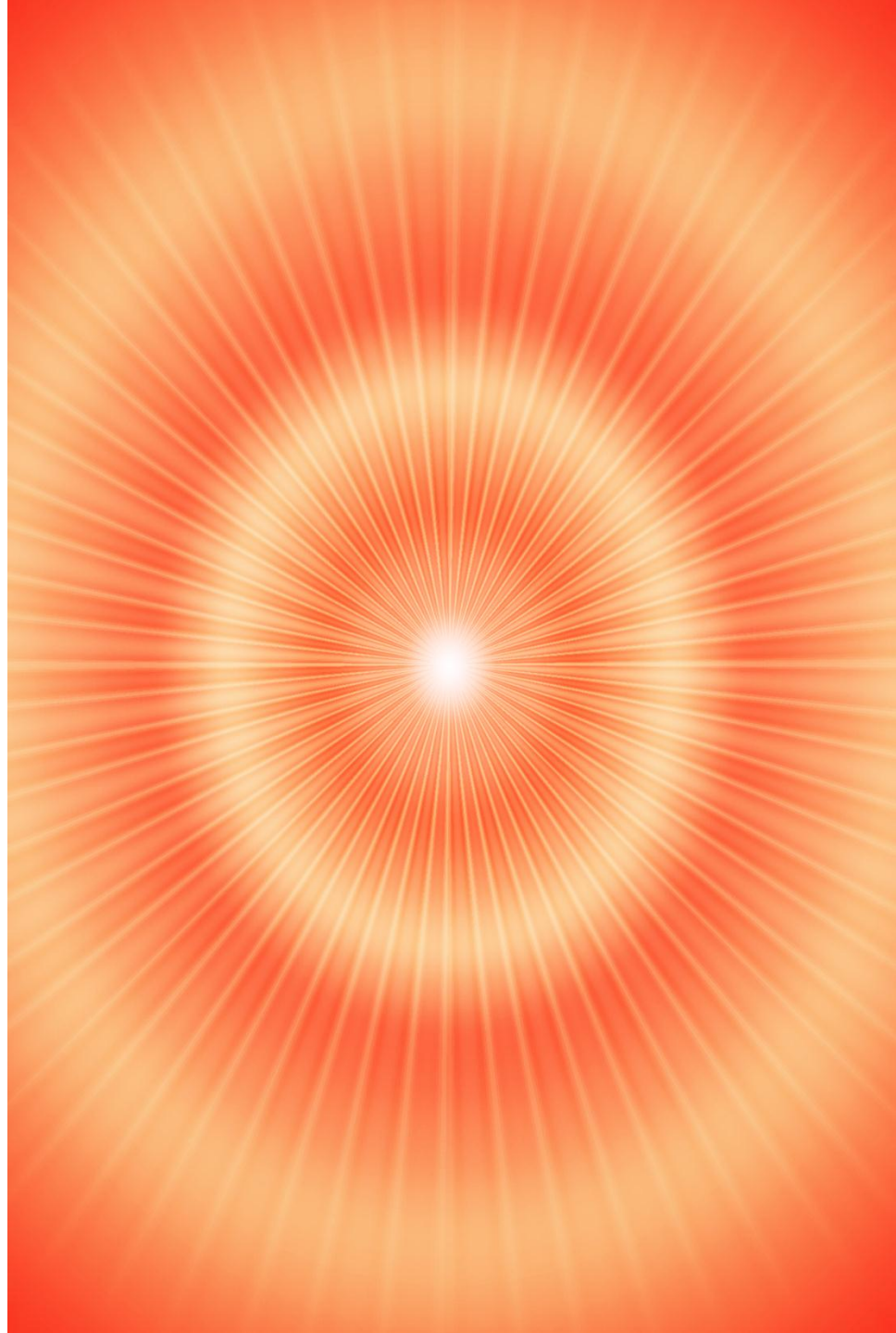

- **बेहद के बाप** से जरूर **स्वर्ग का वर्सा मिलता** है

- कल्प-कल्प बाप आते हैं । पुकारते भी हैं-तुम **मात पिता** परन्तु इसका अर्थ तो कोई भी नहीं समझते । **निराकार बाप** के लिए समझ लेते हैं ।

- बच्चे जानते हैं बाप आधाकल्प के लिए आकर **वर्सा देते** हैं और रावण फिर श्राप देते हैं ।

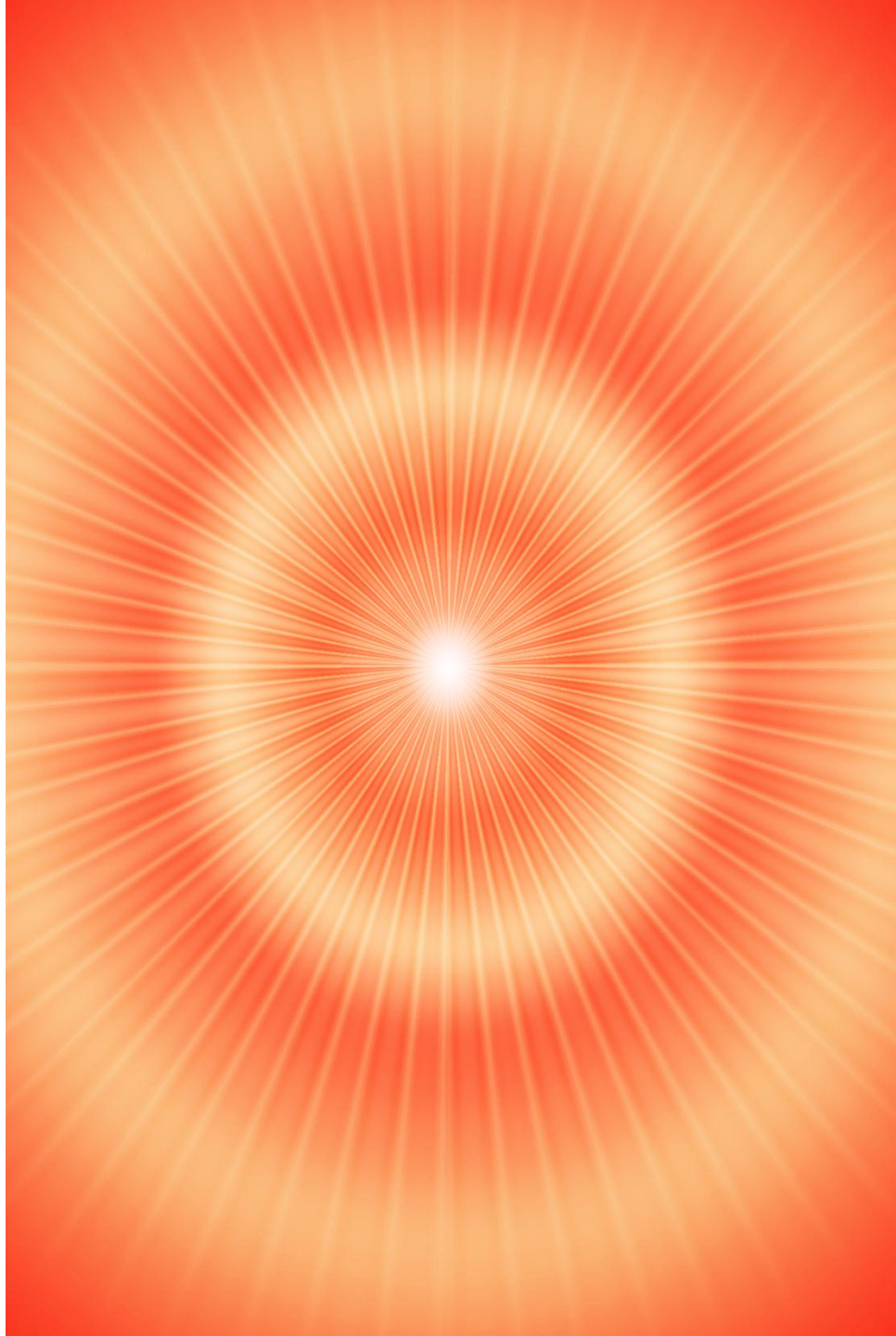

- अभी तुम समझते हो कि बाबा हमको **स्वच्छ बुद्धि बनाते** हैं । रावण मलेच्छ बुद्धि बनाते हैं ।
- अभी यहाँ तुम बच्चों को **एक अद्वेत मत मिलती** है जो बाप ही देते हैं ।
- आशिक **माशूक** की प्रीत होती है ना । वह आशिक माशूक तो एक जन्म के गाये जाते हैं । तुम सभी हो मुझ माशूक के आशिक ।
- अभी तुम बच्चों की बुद्धि में है हम बाप द्वारा फिर से **स्वर्ग के मालिक** बनते हैं ।

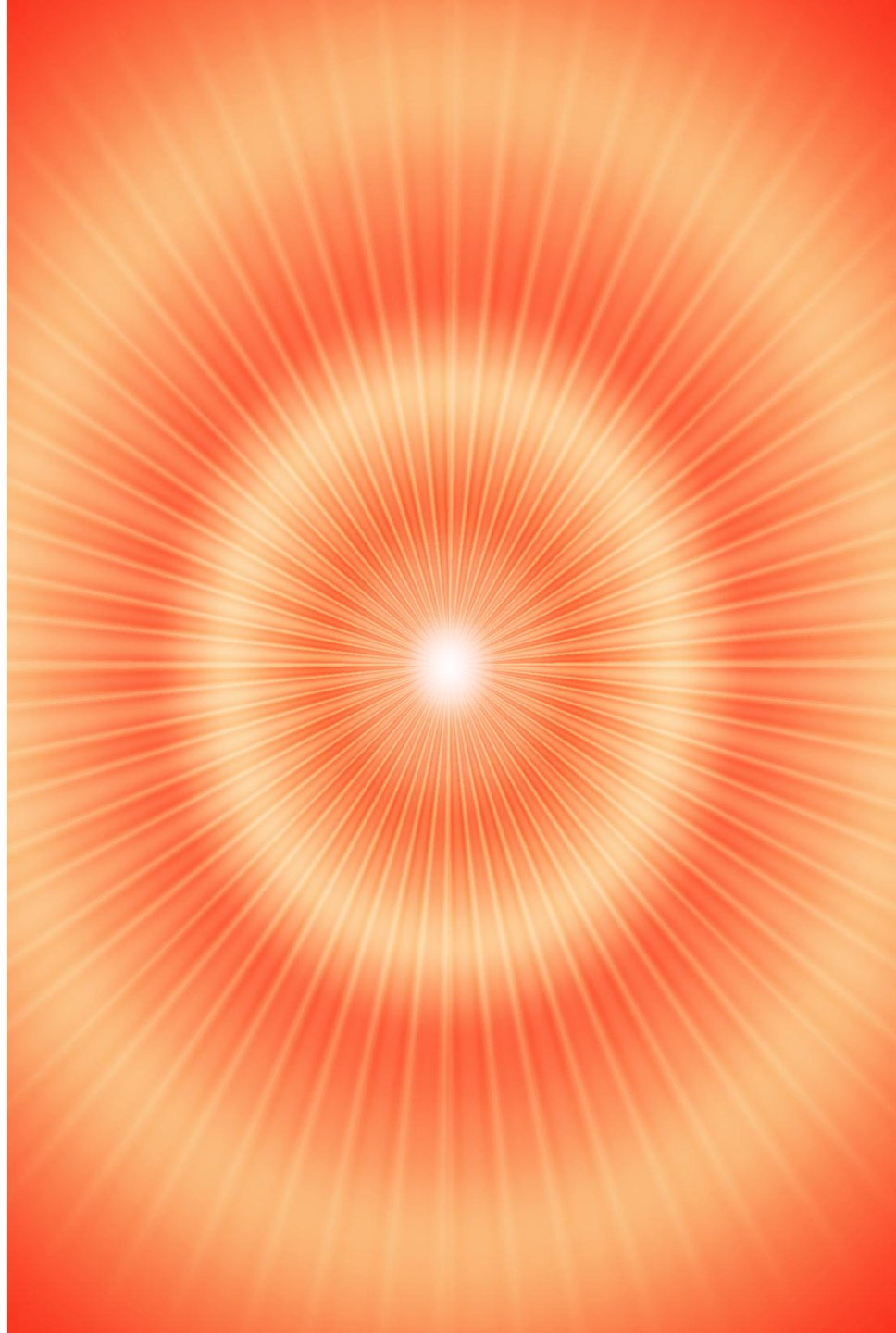

- **शिवबाबा** आते भी भारत में ही है । भारत को ही **शिव भगवान** से **स्वर्ग का वर्सा मिलता** है ।
- बाप को कहते भी हैं **हेविनली गॉड फादर** अर्थात् **हेवन स्थापन करने वाला फादर** ।
- अभी तुम सामने बैठे हो, जानते हो **गॉड फॉदर शिवबाबा** हम आत्माओं को पढ़ा रहे हैं ।
- पढ़ाने वाला **बाप** है, ऐसी पाठशाला सारी दुनिया में कहाँ होगी । वह गॉड **फॉदर** है, **टीचर** भी है, **सतगुरू** भी है, सबको वापिस ले जायेंगे ।